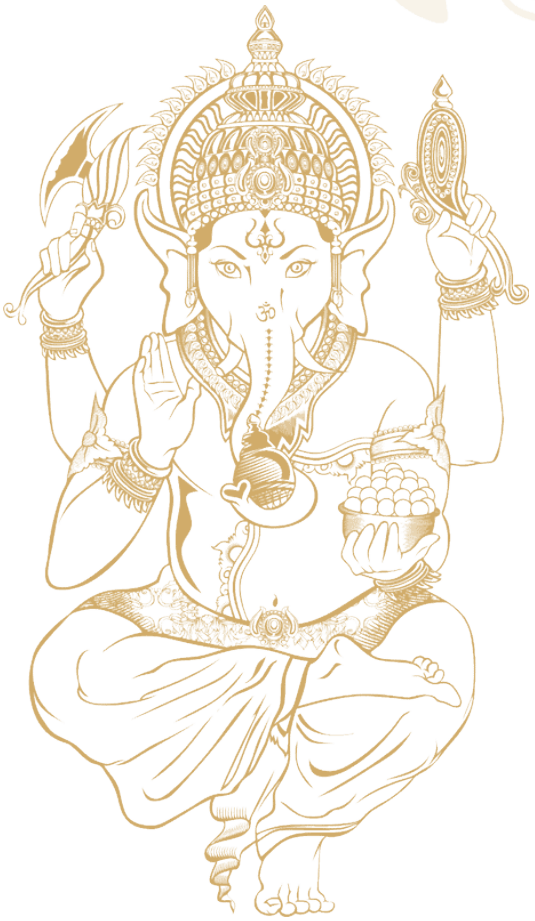

Mr.

08 Jun 1976

03:30 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/06/1976**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	25:05:10 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:06:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:02 घंटे
साम्पातिक काल	08:13:59 घंटे
सूर्योदय	05:27:55 घंटे
सूर्यास्त	19:17:37 घंटे
दिनमान	13:49:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:11:54 वृष
लग्न के अंश	06:02:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:02:44	314:46:22	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृष	24:11:54	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	02:50:50	14:32:58	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	19:32:52	00:34:51	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			वृष	02:55:26	00:28:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मेष	23:49:17	00:13:16	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	21:31:46	01:13:41	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			कर्क	06:48:19	00:06:23	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु			तुला	18:36:02	00:01:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			मेष	18:36:02	00:01:07	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	09:57:10	00:01:35	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
नेप	व		वृश्चि	18:55:24	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
प्लूटो	व		कन्या	15:25:31	00:00:20	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	07:44:07	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:51

लग्न-चलित

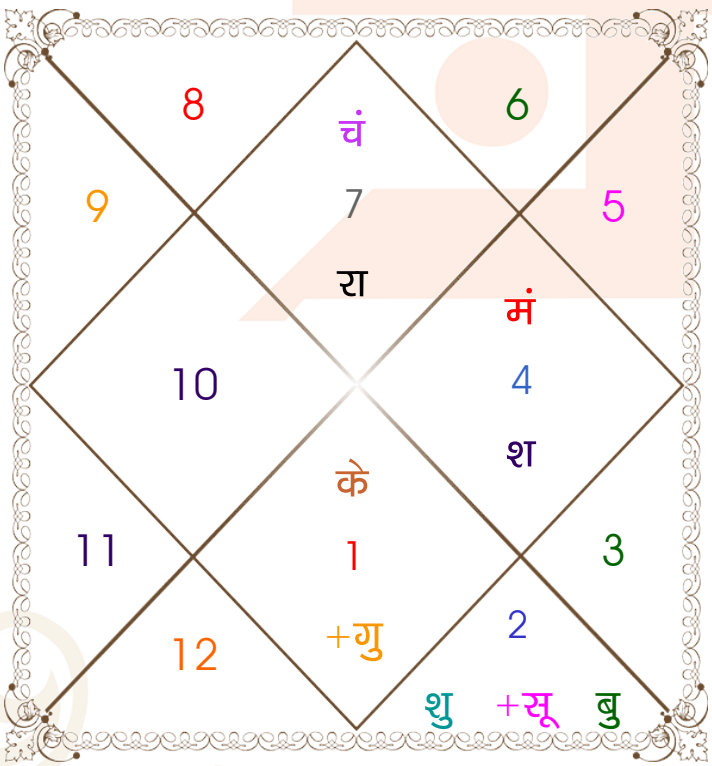

चन्द्र कुंडली

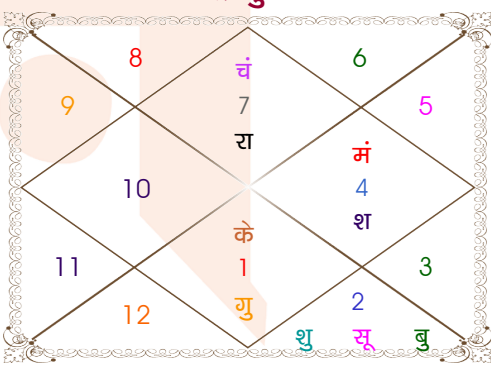

नवमांश कुंडली

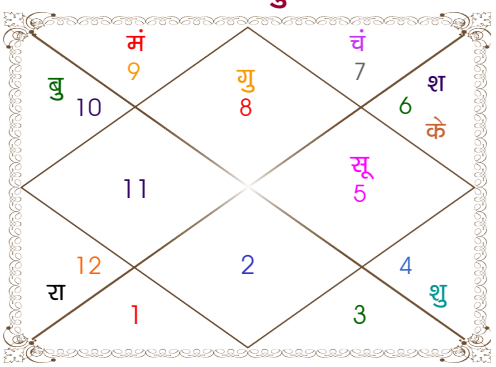

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 0 मास 1 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/06/1976		11/06/1978		10/06/1996		10/06/2012		11/06/2031	
11/06/1978		10/06/1996		10/06/2012		11/06/2031		10/06/2048	
	00/00/0000	राहु	21/02/1981	गुरु	29/07/1998	शनि	14/06/2015	बुध	06/11/2033
	00/00/0000	गुरु	17/07/1983	शनि	09/02/2001	बुध	21/02/2018	केतु	04/11/2034
	00/00/0000	शनि	23/05/1986	बुध	17/05/2003	केतु	02/04/2019	शुक्र	04/09/2037
	00/00/0000	बुध	10/12/1988	केतु	22/04/2004	शुक्र	01/06/2022	सूर्य	11/07/2038
	00/00/0000	केतु	28/12/1989	शुक्र	22/12/2006	सूर्य	14/05/2023	चंद्र	10/12/2039
	08/06/1976	शुक्र	28/12/1992	सूर्य	11/10/2007	चंद्र	13/12/2024	मंगल	07/12/2040
शुक्र	05/07/1977	सूर्य	22/11/1993	चंद्र	09/02/2009	मंगल	22/01/2026	राहु	26/06/2043
सूर्य	09/11/1977	चंद्र	24/05/1995	मंगल	15/01/2010	राहु	27/11/2028	गुरु	01/10/2045
चंद्र	11/06/1978	मंगल	10/06/1996	राहु	10/06/2012	गुरु	11/06/2031	शनि	10/06/2048

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/06/2048		11/06/2055		11/06/2075		10/06/2081		11/06/2091	
11/06/2055		11/06/2075		10/06/2081		11/06/2091		00/00/0000	
केतु	06/11/2048	शुक्र	10/10/2058	सूर्य	28/09/2075	चंद्र	11/04/2082	मंगल	07/11/2091
शुक्र	06/01/2050	सूर्य	11/10/2059	चंद्र	29/03/2076	मंगल	10/11/2082	राहु	24/11/2092
सूर्य	14/05/2050	चंद्र	10/06/2061	मंगल	04/08/2076	राहु	11/05/2084	गुरु	31/10/2093
चंद्र	13/12/2050	मंगल	10/08/2062	राहु	29/06/2077	गुरु	10/09/2085	शनि	10/12/2094
मंगल	11/05/2051	राहु	10/08/2065	गुरु	17/04/2078	शनि	11/04/2087	बुध	07/12/2095
राहु	29/05/2052	गुरु	10/04/2068	शनि	30/03/2079	बुध	09/09/2088	केतु	05/05/2096
गुरु	05/05/2053	शनि	11/06/2071	बुध	03/02/2080	केतु	10/04/2089	शुक्र	08/06/2096
शनि	14/06/2054	बुध	11/04/2074	केतु	10/06/2080	शुक्र	10/12/2090		00/00/0000
बुध	11/06/2055	केतु	11/06/2075	शुक्र	10/06/2081	सूर्य	11/06/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।